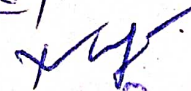


2018.24

पत्रावली पेश हुई। प्रार्थीया मय अधिवक्ता
उपाधित नहीं। बाट-बाट न बक-बक कर आवाज
लगाने पर भी प्रार्थीया व उनके अधिवक्ता न्यायालय
में उपाधित नहीं हुए। प्रार्थीया का मूल वाद
अदम हाजरी में स्वारीज हो चुका है। प्रार्थना पत्र
धारा 212 RTI वाद के अभाव में चलने योग्य
नहीं है। अतः प्रार्थीया का प्रार्थना पत्र वाद के
अभाव में स्वारीज किया जाता है।


उपखण्ड अधिकारी
मंडल जिला नीलवाड़ा